

॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ इत्याश्वमे

ततोगांडीवभृच्छूरोगांडीवप्रहितैःशरैः ॥ चकारमोघांस्तान्वाणान्स्यत्नान्भरतर्षभ ॥ ११ ॥ समोघंतस्यबाणौघं कृत्वावानरकेतनः ॥ शरान्मुमोचज्वलिता  
न्दीमास्यानिवपन्नगान् ॥ १२ ॥ ध्वजेपताकादंडेषुरथेयंत्रेहयेषुच ॥ अन्येषुचरथांगेषुनशरीरेनसारथौ ॥ १३ ॥ संरक्ष्यमाणःपार्थेनशरीरेसव्यसाचिना ॥  
मन्यमानःस्ववीर्यतन्मागधःप्राहिणोच्छरान् ॥ १४ ॥ ततोगांडीवधन्वातुमागधेनभृशाहतः ॥ बभौवसंतसमयेपलाशःपुष्पितोयथा ॥ १५ ॥ अवध्यमानःसो  
भ्यघ्नन्मागधःपांडवर्षभं ॥ तेनतस्थौसकौरव्यलोकावीरस्यदर्शने ॥ १६ ॥ सव्यसाचीतुसंकुद्धोविकृष्यबलवद्भुः ॥ हयांश्चकारनिर्जीवान्सारथेश्चशिशरोहरत् ॥  
॥ १७ ॥ धनुश्चास्यमहच्चित्रंक्षुरेणप्रचकर्त्तह ॥ हस्तावापंपताकांचध्वजं चास्यन्यपातयत् ॥ १८ ॥ सराजाव्यथितोव्यश्वोविधनुर्हतसारथिः ॥ गदामादायकौते  
यमभिदुद्राववेगवान् ॥ १९ ॥ तस्यापततएवाशुगदाहेमपरिष्कृतां ॥ शरैश्चकर्त्तबहुधाबहुभिर्गृध्रवाजितैः ॥ २० ॥ सागदाशकलीभूताविशीर्णमणिबंधना ॥  
व्यालीविमुच्यमानेवपपातधरणीतले ॥ २१ ॥ विरथंविधनुर्कंचगदयापरिवर्जितं ॥ सांत्वपूर्वमिदंवाक्यमब्रवीत्कपिकेतनः ॥ २२ ॥ पर्याप्तःक्षत्रधर्मोयंदर्शि  
तःपुत्रगम्यतां ॥ बद्धेतत्समरेकर्मतवबालस्यपार्थिव ॥ २३ ॥ युधिष्ठिरस्यसंदेशोनहंतव्यानुपाइति ॥ तेनजीविसिराजंस्त्वमपराद्धोपिमरणे ॥ २४ ॥ इतिम  
त्वातदात्मानंप्रत्यादिष्टंस्ममागधः ॥ तथ्यमित्यभिगम्यैनंप्राजलिःप्रत्यपूजयत् ॥ २५ ॥ पराजितोस्मिभद्रंतेनाहंयोद्धुमिहोत्सहे ॥ यद्यत्कृत्यंमयातेद्यतद्ब्रूहि  
कृतमेवतु ॥ २६ ॥ तमर्जुनःसमाश्वास्यपुनरेवेदमब्रवीत् ॥ आगंतव्यंपरांचैत्रीमश्वमेधेनृपस्यनः ॥ २७ ॥ उत्युक्तःसतर्थात्युक्तापूजयामासतंहयं ॥ फाल्गुनंच  
युधिष्ठिष्टंविधिवत्सहदेवजः ॥ २८ ॥ ततोयथेष्टमगमत्पुनरेवसकेसरी ॥ ततःसमुद्रतीरेणवंगान्पुंड्रान्सकोसलान् ॥ २९ ॥ तत्रतत्रचभूरीणिम्लेच्छसैन्यान्यनेक  
शः ॥ विजिग्येधनुषाराजन्गांडीवेनधनंजयः ॥ ३० ॥ इतिश्रीमहाभारतेआश्वमेधिकेपर्वणिअनुगीतापर्वणिअश्वानुसरणेमागधपराजयेद्व्यशीतितमोऽ  
ध्यायः ॥ ८२ ॥ ॥ ३१ ॥ वैशंपायनउवाच मागधेनार्चितोराजन्यांडवःश्वेतवाहनः ॥ दक्षिणांदिशमास्यायचारयामासतंहयं ॥ १ ॥ ततःसपु  
नरावर्त्यहयःकामचरोबली ॥ आससादपुरींरम्यांचेदीनांशुक्तिसाकृयां ॥ २ ॥ शरभेणार्चितस्तत्रशिथुपालसुतेनसः ॥ युद्धपूर्वतदातेनपूजयाचमहाबलः ॥ ३ ॥  
धिकेपर्वणिनैलकंढीयेभारतभाषावीपेद्व्यशीतितमोऽध्यायः ॥ ८२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥